ओम एक्सप्रेस
गुरुवार, 23 अक्टूबर, 2024 4

साहित्य अकादेमी द्वारा लेखक से भेंट कार्यक्रम आयोजित

लेखक हमेशा विद्यार्थी रहता है- ममता कालिया

ओम एक्सप्रेस

नई दिल्ली। 22 अक्तूबर 2024; साहित्य अकादेमी के प्रतिष्ठित कार्यक्रम 'लेखक से भेंट' में आज लोकप्रिय और प्रख्यात लेखिका ममता कालिया पाठकों से रुबरु हुईं। अपनी रचना प्रक्रिया के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि घर में सबसे छोटी होने के कारण मेरी बहुत सी जिज्ञासाओं के जवाब नहीं मिल पाते थे। साथ ही बड़ी बहन के बेहद सुंदर होने मेरे सांवले रंग के कारण ही मुझे जगह-जगह अपमानित होना पड़ता था। ऐसे में अपना गुस्सा निकालने और अपने को विशेष कहलाने के लिए मैंने लेखन का सहारा लिया। मुझे साबित करना था कि मैं भी कुछ हूँ इस सब में मेरे पिता की किताबों ने मेरा बेहद साथ दिया। किताबें ऐसी मित्र होती है जो हमें चेतना देती हैं और कभी नीचा नहीं दिखाती। आगे उन्होंने बताया कि उनका प्रारंभिक लेखन अंग्रेजी में एम.ए. करने के कारण अंग्रेजी में ही था। लेकिन बाद में इलाहाबाद में रहते हुए उन्हें हिंदी में लिखने के लिए विवश होना पड़ा। इसमें मेरे पति रवींद्र कालिया का भी योगदान था। अपनी बात आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि लेखन ऐसी दुनिया है, जिसमें कोई नियम नहीं चलता। कभी-कभी हमारे किरदार ही हमें फेल कर देते हैं। वर्तमान लेखन पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि अब पठन-पाठन के कई नए माध्यम आ गए है और उनमें आपस में प्रतिस्पर्धा चल रही है। लेकिन आभासी मंचों पर संतुष्टि प्राप्त नहीं होती है। उन्होंने कहा कि छोटे शहरों में अभी भी अध्ययनशीलता, सृजनशीलता और पाठन की परंपरा है। उन्होंने वर्तमान समय में अनुवाद की महत्ता के बारे में बात करते हुए कहा कि इससे हिंदी को वैश्विक मंच प्राप्त हो सकता है, लेकिन अभी हिंदी पुस्तकों के अनुवाद बहुत गंभीरता से नहीं किए जा रहे हैं।